1. **गोपी कृष्ण की रूप-रचना क्यों करना चाहती है?**
   A. श्रृंगार के लिए
   B. कृष्ण को रिझाने के लिए
   C. कृष्ण के आदेश का पालन करने के लिए
   D. आनंद और उत्सव के लिए (B)

*व्याख्या :* गोपी कृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति के कारण उनकी तरह सजना-सँवरना चाहती है ताकि वे उन्हें प्रसन्न कर सकें।

2. **"मोरपंख सिर ऊपर राखिहौं" पंक्ति में 'मोरपंख' का प्रतीक क्या है?**
   A. सौंदर्य B. गर्व
   C. त्याग D. सजावट (A)

*व्याख्या :* मोरपंख श्रीकृष्ण के श्रृंगार का प्रमुख अंग है, जो सौंदर्य और आनंद का प्रतीक माना जाता है।

3. **गोपी किसकी आज्ञा से कृष्ण का स्वाँग रचती है?**
   A. कृष्ण की
   B. राधा की
   C. स्वयं की इच्छा से
   D. अन्य गोपियों की (A)

*व्याख्या :* गोपी कृष्ण की आज्ञा से उनका स्वाँग रचती है क्योंकि यह उनकी भक्ति और समर्पण की पराकाष्ठा को दर्शाता है।

4. **"या मुरली मुरलीधर की अधरा धरी अधरा न धरौं" पंक्ति में गोपी का भाव क्या है?**
   A. मुरली से द्वेष
   B. मुरली से ईर्ष्या
   C. मुरली को अपनी प्रतिस्पर्धी मानना
   D. मुरली को पूज्य मानना (C)

*व्याख्या :* गोपी कहती है कि वह मुरली को अपने होंठों से नहीं लगाएगी क्योंकि कृष्ण ने उसे अपने अधरों पर रखा है।

5. **कृष्ण की मुरली की धुन का क्या प्रभाव बताया गया है?**
   A. लोग दुखी हो जाते हैं
   B. लोग नृत्य करने लगते हैं
   C. लोग मोहित हो जाते हैं
   D. लोग भयभीत हो जाते हैं (C)

*व्याख्या :* श्रीकृष्ण की मुरली की मोहक ध्वनि से ब्रज के सभी लोग, पशु-पक्षी और वृक्ष तक मोहित हो जाते हैं।

6. **"कानहन दै आँग री रहबो" पंक्ति का अर्थ क्या है?**
   A. कानों में गूँजने वाली ध्वनि रहना
   B. कानों में कर्णफूल पहनना
   C. कानों की शोभा बढ़ाना
   D. कान से जुड़ी पीड़ा होना (A)

*व्याख्या :* गोपी कहती है कि वह कृष्ण की बाँसुरी की धुन को अपने कानों में सदा के लिए बसाए रखना चाहती है।

7. **"गोधन" शब्द का अर्थ क्या है?**
   A. दूध
   B. गाय
   C. धन
   D. गीत (B)

*व्याख्या :* "गोधन" का अर्थ गायों का समूह है; गोपी स्वयं को उन गायों की सेवा में लगाना चाहती है जो कृष्ण के साथ रहती हैं।

8. **"मोहनी तानन सुनि रिखान अटा चढ़ि गोधन गैहै तौ गैहै" का क्या भाव है?**
   A. गोपी का दुख
   B. गायों का मोह
   C. मुरली की तान से गायों का आकर्षण
   D. मुरली की निंदा (C)

*व्याख्या :* कृष्ण की मुरली की मोहक ध्वनि से गायें चराई छोड़कर उनके पास दौड़ी चली आती हैं।

9. **गोपी किसे संबोधित कर कहती है — "माई री, वा मुरली की मिकाहन तुम्हारी न जैहै"?**
   A. राधा को B. अपनी सखी को
   C. अपनी माँ को D. श्रीकृष्ण को (C)

*व्याख्या :* यहाँ गोपी अपनी माँ से कहती है कि वह कृष्ण की मुरली की बराबरी नहीं कर सकती, क्योंकि मुरली कृष्ण के अधरों से जुड़ी है।

10. **रसखान की इन सवैयों में कौन-सा प्रमुख भाव व्यक्त हुआ है?**
    A. त्याग भाव
    B. भक्ति और प्रेम भाव
    C. संघर्ष भाव
    D. हास्य भाव (B)

*व्याख्या :* इन सवैयों में गोपियों का कृष्ण के प्रति प्रेम, भक्ति और आत्म-समर्पण की गहरी भावना प्रकट होती है।